Date:- 08/05/2020

S-9 (B) (विज्ञान -का शिक्षणशास्त्र)

Appointment

* विज्ञान शिक्षण का महत्व :-

आधुनिक युग में विज्ञान शिक्षण के महत्व का ज्ञान प्रायः सभी व्यक्ति समझते है तथा पाठ्यक्रम मे इस विषय को रखने का विशेष महत्व भी है। यदि भारतवर्ष के इतिहास का अवलोकन किया जाय तो प्रतीत होता है कि यहाँ पर विज्ञान की स्थिति अच्छी थी। मुख्य रूप से औषिधि, धातु, नक्षत्र, विज्ञान तथा गणित रसायन आदि क्षेत्रों में भारत का योगदान सभी देशों से अधिक था। परंतु गुलामी के कारण स्थिति निरंतर बिगड़ती गई तथा 19 वी सदी तक विज्ञान के क्षेत्र मे हम बहुत पिछड़ गए।

परंतु भारत के लोग स्वतंत्रता -प्राप्ति के पश्चात पुनः विज्ञान के महत्व का ज्ञान समझने लगे और भिन्न-भिन्न कमीशनों की सिफारिशों के आधार पर विज्ञान शिक्षण तथा शोध कार्य की ओर लोगों का ध्यान गया और वैज्ञानिक ज्ञान तथा दृष्टिकोण का प्रभाव विभिन्न क्षेत्रों में देखा जाने लगा।

पाठ्यक्रम में विज्ञान का महत्व निम्न कारणों से है:-

Today's Priority

1. निरीक्षण तथा तर्कशक्ति के विकास के लिए
2. व्यवहारिक दृष्टि से उपयोगी है

Date:- 08/05/2020
S-9 (B) (विज्ञान का शिक्षणशास्त्र)

3. सुखी जीवन व्यतीत करने में सहायक है।
4. सांस्कृतिक विकास में सहायक है
5. नैतिक विकास में सहायक है।
6. व्यक्तित्व के विकास में सहायक है।

आज का युग विज्ञान की तकनीकी का युग है। पिछले कई दशकों में विज्ञान-शिक्षण के क्षेत्र में अत्यंत महत्त्वपूर्ण परिवर्तन हुए हैं। इसमें संदेह नहीं है कि विज्ञान का महत्त्व उसकी सामाजिक उपादेयता के कारण बढ़ा है। आज विज्ञान अपनी ऊँचाइयों के शिखर पर है। आज जिस आधुनिक सभ्यता में जीने का हम गर्व अनुभव करते हैं, आकाश को छूने एवं चाँद-तारों पर पहुँचने की सुखद अनुभूति करते हैं परमाणु पर विजय की कल्पना मात्र से ही सिहर उठते हैं, इन सब उपलब्धियों का श्रेय विज्ञान को ही है। आज विज्ञान के क्षेत्र में उथल-पुथल मची हुई तथा आधुनिक विज्ञान का विकास अत्यंत द्रुतगति से हो रहा है। विज्ञान विश्व को हू-ब-हू वर्णन करती है जबकि तकनीकी विश्व का पुनः निर्माण इस उद्देश्य से करती है ताकि वह मानवीय आवश्यकताओं को पूरा करने में सहायक सिद्ध हो सके।

Scanned with CamScanner